ज्ञान शांति मैत्री	**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा** (संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) **जनसंपर्क कार्यालय** **PUBLIC RELATIONS OFFICE**	आज़ादी का अमृत महोत्सव

यूजीसी अध्यक्ष प्रो. जगदीश कुमार ने 45 केंद्रीय विवि के गैर-शैक्षणिक कर्मियों के साथ किया संवाद

हिंदी विवि में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत अभिविन्यास कार्यक्रम सम्पन्न

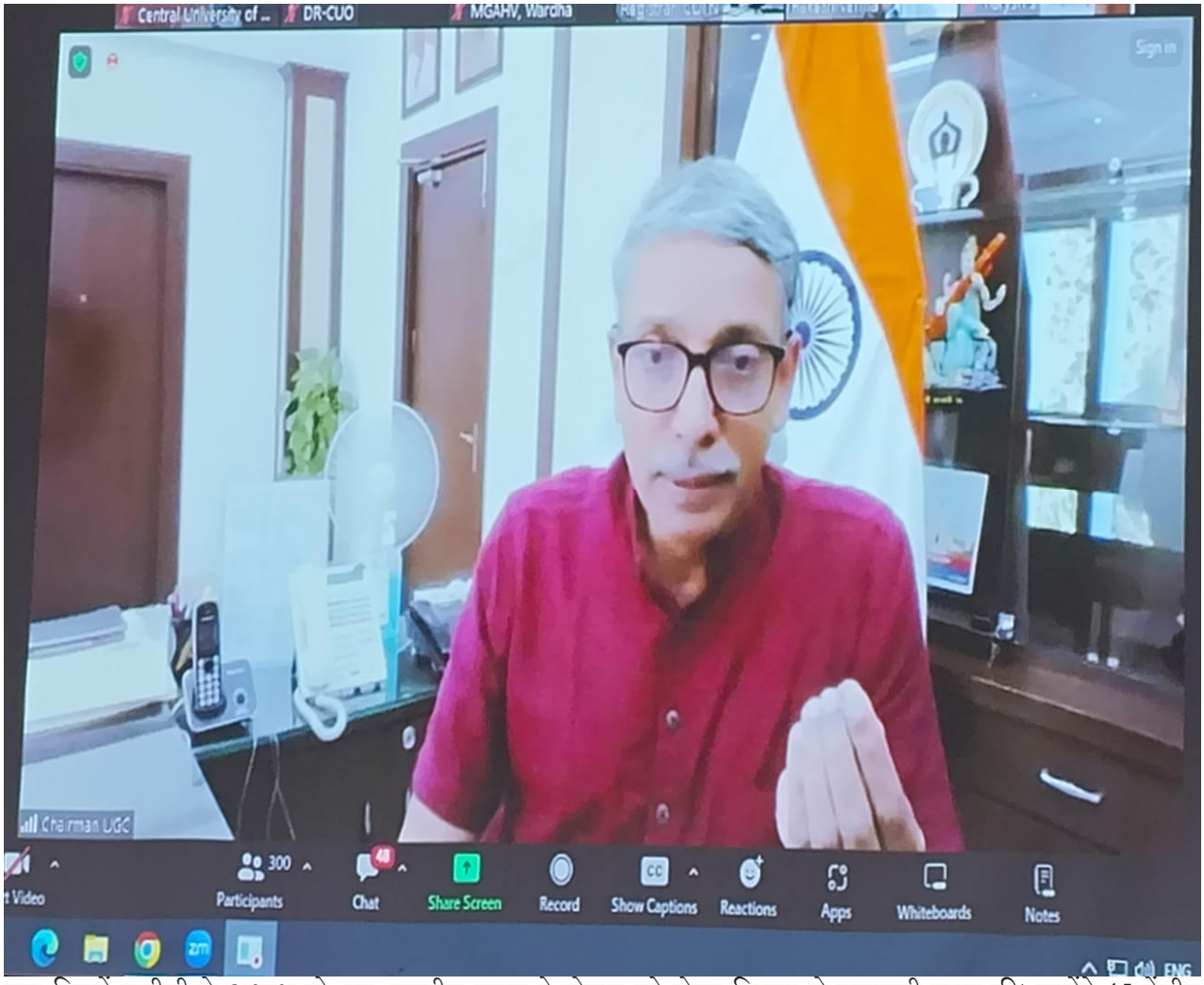

वर्धा, 04 अप्रैल 2024 : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से गुरुवार, 04 अप्रैल को मिशन कर्मयोगी (iGOT Mission Karmayogi) के अंतर्गत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 'अभिविन्यास सत्र' का ऑनलाइन आयोजन किया

गया जिसमें यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ने योजना को लेकर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने 45 केंद्रीय विश्वविद्यायों के गैर-शैक्षणिक कर्मियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह एवं मिशन कर्मयोगी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी उपस्थित थे। गालिब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विवि के गैर-शैक्षणिक अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

मिशन कर्मयोगी योजना को सिविल सेवाओं से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों के कौशल और योग्यता क्षमता में वृद्धि करने के लिए लॉन्च किया गया है ताकि अधिकारियों के पास अधिक तर्कशक्ति और सोचने समझने की क्षमता में वृद्धि हो सके।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म को एक विश्व स्तरीय बाजार बनाने का भी प्रयास किया जा रहा है। iGOT कर्मयोगी के माध्यम से कर्मचारी की क्षमता का निर्माण ई-लर्निंग कॉन्टेक्ट के माध्यम से किया जायेगा। इसी के साथ ही अन्य सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जाएगी। iGOT की वेबसाइट पर उपलब्ध डेटा के अनुसार अब तक 3,14,123 कर्मयोगी इस प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके

हैं। यहा 341 कोर्स उपलब्ध हैं। इस प्लेटफॉर्म पर 795 घटे का कटेंट तैयार है।

मिशन कर्मयोगी योजना 2 सितंबर 2020 को सरकार द्वारा लागू की गई थी। यह योजना अधिकारियों की क्षमता बढ़ाने के लिए आरंभ की गई है ताकि अधिकारियों के पास अधिक तर्कशक्ति और सोचने समझने की क्षमता में वृद्धि हो सके। इसके अंतर्गत कर्मचारियों को ऑनलाइन ट्रेनिंग दी जाएगी, ई लर्निंग कंटेंट प्रदान किया जायेगा। योजना में लगभग 46 लाख सरकारी कर्मचारी आएंगे और योजना के माध्यम से अधिकारियों के कौशल को विकसित किया जायेगा। कर्मयोगी योजना का उद्देश्य भारतीय सिविल सेवकों को अधिक रचनात्मक, कल्पनाशील, सक्रिय, पेशेवर, प्रगतिशील, ऊर्जावान, सक्षम, पारदर्शी और तकनीकी बनाकर उनका परिचय कराना है ताकि वे अपनी क्षमता के अनुसार अपना काम कर सकें। इसे ह्यूमन रिसॉर्स सेक्टर का अब तक का सबसे बड़ा सुधार माना जा रहा है। इसके माध्यम से सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों का कौशल विकास यानि स्किल डेवलपमेंट किया जाएगा।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

यूजीसीचे अध्यक्ष प्रो. जगदीश कुमार यांनी 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयातील गैर-शैक्षणिक कर्मचाऱ्यांशी साधला संवाद
हिंदी विश्वविद्यालयात मिशन कर्मयोगी अंतर्गत अभिविन्यास कार्यक्रम

वर्धा, 04 एप्रिल 2024: विश्वविद्यालय अनुदान आयोगाच्या वतीने गुरुवार, 04 एप्रिल रोजी मिशन कर्मयोगी (iGOT मिशन कर्मयोगी) अंतर्गत महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात ऑनलाइन 'अभिविन्यास सत्र' आयोजित करण्यात आले. यावेळी यूजीसीचे अध्यक्ष प्रो. एम.जगदीश कुमार यांनी योजनेची सविस्तर माहिती दिली. त्यांनी 45 केंद्रीय विद्यापीठांतील गैर-शैक्षणिक कर्मचाऱ्यांशी संवाद साधला. यावेळी अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह आणि मिशन कर्मयोगीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपस्थित होते. गालिब सभागृहात आयोजित कार्यक्रमात विश्वविद्यालयातील शैक्षकेतर अधिकारी व कर्मचारी सहभागी झाले होते.

मिशन कर्मयोगी योजना नागरी सेवांशी निगडित अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांची कौशल्य आणि सक्षमता वाढवण्यासाठी सुरू करण्यात आली आहे जेणेकरून अधिकाऱ्यांमध्ये अधिक तर्कशक्ती आणि विचार करण्याची क्षमता वाढेल.

iGOT कर्मयोगी प्लॅटफॉर्मला जागतिक दर्जाचे मार्केटप्लेस बनवण्याचेही प्रयत्न केले जात आहेत. iGOT कर्मयोगी द्वारे, कर्मचारी क्षमता वाढवणे ई-लर्निंग संपर्काद्वारे केले जाईल. यासोबतच इतर सुविधाही दिल्या जाणार आहेत. iGOT च्या वेबसाइटवर उपलब्ध असलेल्या आकडेवारीनुसार आतापर्यंत 3,14,123 कर्मयोगी या व्यासपीठावर सामील झाले आहेत. येथे 341 अभ्यासक्रम उपलब्ध आहेत. या प्लॅटफॉर्मवर ७९५ तासांचा कंटेंट तयार करणे हे आहे.

मिशन कर्मयोगी योजना अधिका-यांमध्ये अधिक तर्कशक्ती आणि विचार करण्याची क्षमता वाढावी यासाठी सुरू करण्यात आली आहे. याअंतर्गत कर्मचाऱ्यांना ऑनलाइन प्रशिक्षण दिले जाणार असून ई-लर्निंग सामग्री दिली जाणार आहे. या योजनेत सुमारे 46 लाख सरकारी कर्मचारी येणार असून अधिकाऱ्यांचे कौशल्य या योजनेतून विकसित होणार आहे. कर्मयोगी योजनेचे उद्दिष्ट कर्मचाऱ्यांना अधिक सर्जनशील, कल्पक, सक्रिय, व्यावसायिक, प्रगतीशील, ऊर्जावान, सक्षम, पारदर्शक आणि तांत्रिक बनविने हे आहे. मानव संसाधन क्षेत्रातील ही आतापर्यंतची सर्वात मोठी सुधारणा मानली जात आहे. याद्वारे शासकीय अधिकारी व कर्मचाऱ्यांचा कौशल्य विकास केला जाणार आहे.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305